विषयानुक्रमणिका

	पृष्ठ संख्या
भूमिका	**i-iii**
प्रथम अध्याय: समकालीन हिंदी उपन्यास और अपवित्र आख्यान	**1-17**
1.1 उपन्यास की समकालीनता	
1.2 समकालीन हिंदी उपन्यास की परंपरा में अपवित्र आख्यान	
द्वितीय अध्याय: अपवित्र आख्यान में निहित अंतर्द्वंद्व	**18-36**
2.1 सामाजिक अंतर्द्वंद्व	
2.2 भाषायी अंतर्द्वंद्व	
तृतीय अध्याय: अपवित्र आख्यान: शैक्षणिक जीवन की विडंबना	**37-44**
3 .1 शिक्षा जगत में व्याप्त विसंगतियाँ	
3.2 लैंगिक भेदभाव	
चतुर्थ अध्याय: अपवित्र आख्यान उपन्यास का कथ्य और शिल्प	**45-67**
4.1 कथ्य	
4.2 शिल्प	
उपसंहार	**68-70**
सन्दर्भ ग्रन्थ सूची	**71-74**